न्यू-पैटर्न पर आधारित प्रश्न-पत्र–04

सामान्य हिन्दी (इण्टरमीडिएट मॉडल प्रश्नपत्र/अनुमानित प्रश्नपत्र)

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक :** 100

निर्देश: पूर्ववत्। **(खण्ड-क)**

प्र० 1. (क) मुंशी प्रेमचन्द ने उपन्यास लिखा है– 1

(अ) चन्द्रकान्ता (ब) गोदान

(स) परीक्षा गुरु (द) पुनर्नवा

(ख) 'ब्राह्मण' पत्र के सम्पादक हैं– 1

(अ) मुशी प्रेमचंद (ब) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(स) प्रताप नारायण मिश्र

(द) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ग) जयशंकर प्रसाद का नाटक है– 1

(अ) ध्रुवस्वामिनी (ब) रक्षाबन्धन

(स) ध्रुवा (द) ध्रुव देवी

(घ) 'आवारा मसीहा' के लेखक हैं– 1

(अ) कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर

(ब) प्रभाकर मिश्रा (स) विष्णु प्रभाकर

(द) लक्ष्मीनारायण मिश्रा

(ङ) 'नदी के द्वीप' के रचनाकार हैं– 1

(अ) अज्ञेय (ब) नगेन्द्र

(ब) कृष्णदास (द) भीष्म साहनी

प्र० 2. (क) 'भक्तिकाल का काव्य-ग्रन्थ नहीं है– 1

(अ) पृथ्वीराज रासो (ब) सूरसागर

(स) पद्मावत (द) श्रीरामचरित मानस।

(ख) 'उर्वशी' के रचनाकार हैं– 1

(अ) दिनकर (ब) धर्मवीर भारती

(स) नरेन्द्र शर्मा (द) धुमिल

(ग) प्रयोगवाद के प्रवर्तक हैं– 1

(अ) नरेश मेहता (ब) रघुवीर सहाय

(स) मुक्ति बोध (द) अज्ञेय।

(घ) कबीर के दोहों को किस नाम से जाना जाता है? 1

(अ) दूहा (ब) साखी

(स) सबद (द) पद

(ङ) 'साकेत' महाकाव्य की नायिका है– 1

(अ) यशोधरा (ब) राधा

(स) उर्मिला (द) द्रौपदी

प्र० 3. निम्नलिखित गद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **2×5=10**

साहित्य, कला, नृत्य, गीत, आमोद-प्रमोद, अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं। आत्मा का जो विश्वव्यापी आनंद-भाव है, वह इन विविध रूपों में साकार होता है। यद्यपि बाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृति के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखायी पड़ते हैं, किन्तु आन्तरिक आनंद की दृष्टि से उनमें एकसूत्रता है। जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनंद-पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनंदित होता है। इस प्रकार की उदाहर भावना ही विविध जनों से बने हुए राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) किन रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं?

(घ) सहृदय व्यक्ति किसको स्वीकार करते हुए आनंदित होता है?

(ङ) प्रस्तुत पंक्तियों में लेखक ने राष्ट्र के किस स्वरूप पर प्रकाश डाला है?

अथवा मैं यह नहीं मानता कि समृद्धि और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई गलत सोच है। उदाहरण के तौर पर, मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ, क्योंकि समृद्धि अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो अंततः हमारी आजारी को बनाये रखने में सहायक हैं। आप अपने आस-पास देखेंगे तो पाएँगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती। किसी बगीचे में जाइए। मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी। अथवा ऊपर की तरफ ही देखें, यह ब्रह्माण्ड आपके अनंत तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) लेखक किनकों एक-दूसरे का विरोधी नहीं मानता?
अथवा समृद्धि और अध्यात्म के सम्बन्ध में लेखक क्या नहीं मानता?

(घ) डॉ० कलाम समृद्धि की कद्र क्यों करते हैं? समृद्धि अपने साथ क्या लाती है?

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने छात्रों को क्या संदेश दिया है?

(च) 'न्यूनतम' और 'अनन्त' का क्या अर्थ है?

प्र० 4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **2×5=10**

कौन तुम! संसृति-जलनिधि तीर
तरंगों से फेंकी मणि एक;

कर रहे निर्जन का चुपचाप
प्रभा की धारा से अभिषेक?
मधुर विश्रात और एकान्त
जगत का सुलझा हुआ रहस्य;
एक करुणामय सुन्दर मौन,
और चंचल मन का आलस्य।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) कवि ने 'संसृति-जलनिधि' और 'मणि' किसे कहा है?
(घ) पद्यांश में किसके मन की व्याकुलता स्पष्ट होती है?
(ङ) 'संसृति-जलनिधि' में कौन-सा अलंकार है?

अथवा

जब पहुँची चपला बीच धार,
छिप गया चाँदनी का कगार!
दो बाहों से दूरस्थ तीर धारा का कृश कोमल शरीर
आलिंगन करने को अधीर!
अति दूर, क्षितिज पर विटप-माल लगती भ्रू-रेखा-सी अराल,
अपलक नभ नील-नयन विशाल;
माँ के उर पर शिशु-सा, समीप, सोया धारा में एक द्वीप,
उर्मिल प्रवाह को कर प्रतीप,
वह कौन विहग? क्या विकल कोक, उड़ता हरने निज विरह शोक?
छाया की कोकी को विलोक!

(क) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) कब चाँद-सा चमकता हुआ रेत का कगार कवि की आँखों से ओझल हो गया?
(घ) धारा के बीच से देखने पर गंगा के दोनों तट किसके समान लगते हैं?
(ङ) धारा के बीच स्थिति द्वीप कैसा दिखाई पड़ता है?

प्र० 5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय एवं कृतियों का उल्लेख (80 शब्दों में) कीजिए। 3+2=5

(अ) डॉ० ऐ०पी०जे० अब्दुल कलाम
(ब) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
(स) डॉ०हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक-अवदान एवं कृतियों का उल्लेख लगभग 80 शब्दों में लिखिए। 3+2=5

(अ) सुमित्रा नन्दन पन्त
(ब) महादेवी वर्मा
(स) जयशंकर प्रसाद

प्र० 6. 'पंचलाइट' **अथवा** 'ध्रुवयात्रा' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। **5**

अथवा

'बहादुर' **अथवा** 'पचलाइट' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

प्र० 7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। 5

(अधिकतम शब्द सीमा-80)

(क) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या सर्ग' की कथावस्तु लिखिए।

अथवा 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर राजा दशरथ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षिप्त में लिखिए।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग का कथानक लिखिए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

(घ) 'आलोक वृत्त' खण्डकाव्य के कथानक को संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गांधी जी का चरित्र-चित्रण लिखिए।

(ङ) 'मुक्ति यज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा 'मुक्ति यज्ञ' खण्डकाव्य का नायक कौन है? उसकी चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(च) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्रांकन कीजिए।

(खण्ड-ख)

प्र० 8. (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+5=7

हिन्दी-संस्कृताङ्लभाषासु अस्य समान अधिकार: आसीत्। हिन्दी-हिन्दू हिन्दुस्थानानामुत्थानाय अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत्। शिक्षयैव देशे समाजे च नवीन: प्रकाश: उदेति अत: श्री मालवीय: वाराणस्यां काशी-विश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत्। अस्य निर्माणाय अयं जनान धनम् अयाचत्। जनाश्च महत्यस्मिन ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन, तेन निर्मितोऽयं विशाल विश्वविद्यालय: भारतीयानां दानशीलताया श्रीमालवीयस्य यशस: प्रतिमूर्तिरिव विभाति।

अथवा

याज्ञवल्क्यो मैत्रेयीमुवाच-मैत्रेयि! उद्यास्यन अहम् अस्मात् स्थानादस्मि। ततस्ते अनया कात्यायन्या विच्छेदं करवाणि इति। मैत्रेयी उवाच-यदि इदं सर्वा पृथ्वी वित्तेन पूर्णा स्यात् तत् किं तेनाहममृतास्यामिति। याज्ञवल्क्य उवाच-नेति।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी का एक श्लोक सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए- 2+5=7

जयन्ति ते महाभागा जन-सेवा-परायणाः।
जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तिनोः वपुषित्।।

अथवा

जल-बिन्दु निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः।
स हेतु सर्व विद्यानां धर्मस्य धनस्य च।।

प्र० 9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए– 1+1=2

(क) आँखों के अन्धे नाम नयन सुख

(ख) आगे कुआँ, पीछे खाई (ग) अंगार सिर पर रखना

(घ) अन्धे की लकड़ी

प्र० 10. (क) निम्नलिखित शब्दों के उचित संधि-विच्छेद के पद का चयन कर लिखिए। 1+1+1=3

(i) 'अभ्यन्तर' का संधि-विच्छेद है–

(अ) अभ्य+अन्तर (ब) अभि + अन्तर

(स) अभी + अन्त (द) अभ्य + न्तर

(ii) 'प्रभोदय' का संधि-विच्छेद है–

(अ) प्रभु + उदयः (ब) प्रभो + दयः

(स) प्रभ् + उदयः (द) प्रभा + उदयः

(iii) 'शचीन्द्र' का सन्धि-विच्छेद है–

(अ) शची + इन्द्रः (ब) श् + ईन्द्रः

(स) शचि + एन्द्र (द) शची + एन्द्रः

(ख) निम्नलिखित शब्दों की उचित विभक्त और वचन का चयन करके लिखिए– 1+1=2

(i) 'राज्ञे' शब्द में विभक्ति और वचन है–

(अ) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(ब) पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन

(स) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(द) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(ii) 'राजनि' शब्द का विभक्ति और वचन है–

(अ) पञ्चमी विभक्ति, एकवचन

(ब) षष्ठी विभक्ति, एकवचन

(स) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

प्र० 11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों के उचित अर्थ का चयन करके लिखिए। 1+1=2

(i) अनल-अनिल

(अ) वन और लता (ब) जल और थल

(स) अग्नि और वायु (द) तेज और प्रकाश

(ii) अशक्त-आसक्त

(अ) शक्तिहीन और मोहित

(ब) कंजूस और साधु (स) निर्बल और मोहरहित

(द) बलवान और सख्त

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए। 1+1=2

(अ) कनक (ब) उत्तर (स) अलि

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए– 1+1=2

(i) जिसे काटा न जा सके–

(अ) अकाट्य (ब) काट हीन

(स) अकाट (द) न काट

(ii) परीक्षा लेने वाला–

(अ) परीक्षक (ब) परीक्षेच्छुक

(स) परीक्षा प्रमुख (द) निरीक्षक

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए– 1+1=2

(अ) मेले में अनेकों दुकानें आयी थी।

(ब) हमारे विचारों में स्थायत्व होना चाहिए।

(स) थाली में चार कटोरी है।

(द) वह मुझे बुलाया है।

प्र० 12. (क) 'शृंगार' **अथवा** 'शान्त रस' की परिभाषा अथवा स्थायी भाव एवं उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ख) 'श्लेष' **अथवा** 'रूपक' अलंकार की परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(क) 'दोहा' **अथवा** 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण अथवा मात्रा सहित उदाहरण लिखिए। 1+1=2

प्र० 13. केन्द्र सरकार की बेरोजगारी लोगों को 'मनरेगा योजना' में अनेक गड़बड़ियों की शिकायतें आने लगी हैं। उनमें सुधार हेतु अपने सुझाव देते हुए स्थानीय दैनिक समाचार पत्र के संपादक के नाम एक पत्र लिखिए। 2+4=6

अथवा

विद्यालय के प्रधानाचार्य के नाम आवेदन पत्र उस विद्यालय में रिक्त लिपिक (कार्यालय सहायक) पद पर नियुक्ति हेतु लिखिए।

प्र० 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर रूपरेखा बनाते हुए अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए। 2+7=9

(क) समाचार पत्र की उपयोगिता

(ख) स्वस्थ समाज के निर्माण में नारी की भूमिका

(ग) पर्यावरण और वृक्षारोपण

(घ) विज्ञान और समाज